आइजीआइएमएस में चार नई सुविधाओं का आज शुभारंभ

जागरण संवाददाता, पटना : इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में अत्याधुनिक इलेक्ट्रोफिजियोलाजी मशीन, माइक्यूर ओटी, मशीन सहित चार प्रमुख सुविधाओं का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय करेंगे। संस्थान के निदेशक डा. प्रो. बिंदे कुमार ने कहा कि संबंधित सभी सुविधाओं की तैयारी पूरी कर ली गई है। यह मशीन उन रोगियों के लिए वरदान साबित होगी, जिनमें अंधेपन की आशंका होती है लेकिन परंपरागत सामान्य जांच विधियों से समय पर उनकी पहचान नहीं हो पाती है। प्रदेश समेत पूर्वोत्तर भारत में दृष्टिहीनता के खिलाफ जिस लड़ाई के लिए क्षेत्रीय चक्षु संस्थान की स्थापना की गई, इस मशीन से वह और मजबूत होगी।

आंख के मरीजों को होगी आसानी
आइजीआइएमएस के आरआइओ में आज दोपहर 12:15 बजे स्वास्थ्य मंत्री करेंगे उद्घाटन

उप निदेशक सह क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के चीफ डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि इलेक्ट्रोफिजियोलाजी एवं वाइड, फील्ड फंडस कैमरा के उद्घाटन से अब नेत्र जांच पहले से अधिक उन्नत, वैज्ञानिक व सटीक हो जाएगी। इलेक्ट्रोफिजियोलाजी मशीन से नेत्र संबंधी जटिल रोगों जैसे जन्मजात नेत्र विकार, रेटिनल डिस्ट्राफी, आप्टिक न्यूरोपैथी या अज्ञात कारणों से घटती दृष्टि के निदान में मदद मिलेगी। रोग की समय पर पहचान होने से उसके इलाज की योजना वैज्ञानिक आधार पर बनाई जा सकेगी। शुरुआत में दृष्टिहीनता की पहचान से जल्द उपचार शुरू होगा और अंधेपन की समस्या को कम किया जा सकेगा।

छोटे बच्चे, मानसिक रोगी व बुजुर्गों को होगा फायदा

इलेक्ट्रोफिजियोलाजी नेत्र की बिजली संचालित गतिविधियों को माप कर यह आंखों की वास्तिक कार्यक्षमता का सटीक आकलन करती है। यह मशीन रेटिना व आप्टिक नर्व यानी दृष्टि तंत्रिका की कार्यक्षमता का वैज्ञानिक परीक्षण करती है। जहां पारंपरिक नेत्र जांच सीमित हो जाती है वहां इस मशीन से सटीक जांच की जा सकती है। इससे नेत्र रोगों की जटिलताओं को समझ कर उन्हें जल्दी राहत पहुंचाई जा सकेगी। जन्मजात नेत्र विकारों, न्यूरोलाजिकल विकारों, छोटे बच्चों, मानसिक रूप से कमजोर, बुजुर्ग आदि जिनकी सटीक जांच अबतक मुश्किल थी, इससे आसानी से हो सकेगी। इससे बड़ी आबादी को लाभ मिल सकेगा।

आइजीआइएमएस : चक्षु संस्थान में आज से चार नयी सुविधाएं

संवाददाता,पटना.

आइजीआइएमएस के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे मंगलवार को इक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन, मॉड्यूलर ओटी, डायग्नोस्टिक लैब, माइक्रोस्कोप अल्ट्रासाउंड सहित कुल चार नयी सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे.

आइजीआइएमएस के उप निदेशक सह क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के चीफ डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी एवं वाइड, फील्ड फंडस कैमरे से अब नेत्र जांच पहले से अधिक उन्नत, वैज्ञानिक व सटीक हो जायेगी. इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन से नेत्र संबंधी जटिल रोगों जैसे जन्मजात नेत्र विकार, रेटिनल डिस्ट्रॉफी, आप्टिक न्यूरोपैथी या अज्ञात कारणों से घटती दृष्टि के निदान में मदद मिलेगी. रोग के समय पर पहचान होने से उसके इलाज की योजना वैज्ञानिक आधार पर बनायी जा सकेगी. शुरुआत में दृष्टिहीनता की पहचान से जल्द उपचार शुरू होगा और अंधेपन की समस्या को कम किया जा सकेगा.

संस्थान प्रशासन के मुताबिक चक्षु संस्थान में अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर शुरू होने से जटिलतम सर्जरी उच्चतम स्तर की सुरक्षा व बिना किसी संक्रमण के डर के हो सकेगी. यही नहीं इसमें एक से अधिक ऑपरेशन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगी.

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

आईजीआईएमएस में चार नई सुविधाओं का शुभारंभ आज

पटना (एसएनबी)। इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में आंखों का इलाज कराने आ रहे मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अब सभी तरह के अंधेपन, दुर्लभ नेत्र रोगों के साथ-साथ छोटे बच्चे, नवजात, वृद्धों,मानसिक रोगियों की सटीक जांच हो सकेगी। दृष्टिहीनता की पहचान भी शुरुआती चरण में ही हो जायेगी। इसके लिए चक्षु संस्थान में अत्याधुनिक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन लाई गई है। संस्थान में माड्यूलर ओटी, मशीन सहित चार नई सुविधाओं का उद्घाटन मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय करेंगे। आइजीआइएमएस के निदेशक प्रो. बिंदे कुमार ने बताया कि यह मशीन उन रोगियों के लिए वरदान साबित होगी जिनमें अंधेपन की आशंका होती है। परंपरागत विधियों से समय पर उनकी पहचान नहीं हो पाती है। प्रदेश समेत पूर्वोत्तर भारत में दृष्टिहीनता के खिलाफ जिस लड़ाई के लिए क्षेत्रीय चक्षु संस्थान की स्थापना की गई, इस मशीन से वह और मजबूत होगी।

24 घंटे होगा आंखों का इलाज : प्रो. विभूति प्रसन्न

आइजीआइएमएस के उप निदेशक (प्रशासन) सह क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के चीफ प्रो. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का ध्यान आइजीआइएमएस के विकास पर है। यही वजह है कि संस्थान लगातार प्रगति कर रहा है और पूर्वी भारत का सबसे बड़ा आंख का अस्पताल स्थापित हुआ है। प्रो. विभूति ने बताया कि इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी एवं वाइड फील्ड फंडस कैमरा के उद्घाटन से नेत्र जांच पहले से अधिक उन्नत और सटीक होगी। इलेक्ट्रोफिजियोलॉजीमशीन से नेत्र संबंधी जटिल रोगों जैसे जन्मजात नेत्र विकार, रेटिनल डिस्ट्रॉफी, आप्टिक न्यूरोपैथी या अज्ञात कारणों से घटती दृष्टि के निदान में मदद मिलेगी। बीमारी की समय पर पहचान होने से उसके इलाज की योजना वैज्ञानिक आधार पर बनाई जा सकेगी। शुरुआत में दृष्टिहीनता की पहचान से जल्द उपचार शुरू होगा और अंधेपन की समस्या को कम किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय करेंगे इक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन, मॉड्यूलर ओटी, डायग्नोस्टिक लैब और माइक्रोस्कोप अल्ट्रासाउंड की सुविधा का उद्घाटन

संस्थान प्रशासन के मुताबिक क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय चार नई सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें इक्ट्रोफिजियोलजी मशीन, मॉड्यूलर ओटी, डायगनोस्टिक लैब और माइक्रोस्कोप अल्ट्रासाउंड शामिल हैं। चक्षु संस्थान में अत्याधुनिक माड्यूलर ऑपरेशन थिएटर शुरू होने से जटिलतम सर्जरी उच्चतम स्तर की सुरक्षा व बिना किसी संक्रमण के डर के हो सकेगी। इसमें एक से अधिक सर्जरी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगी। इससे मरीज जल्द स्वस्थ होंगे। बताते चलें कि माड्यूलर आपरेशन थिएटर में आधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम, हीपा फिल्टर, नियंत्रित वातावरण के कारण सर्जरी के दौरान संक्रमण की आशंका नगण्य हो जाती है।

अब आंखों की बीमारियों पर होगा रिसर्च, बनेगी रिसर्च विंग

क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में रोगियों के उत्कृष्ट इलाज के साथ अब अनुसंधान की भी व्यवस्था की जा रही है। तुरंत जांच रिपोर्ट मिले इसके लिए पैथोलॉजी व शोध कार्यों के लिए रिसर्च विंग भी जल्द शुरू हो जायेगी। नवनिर्मित लैब सर्विस विंग से नेत्र रोगों की सटीक जांच संभव होगी तो रिसर्च विंग में दुर्लभ रोगों के उपचार की नई तकनीकों को विकसित किया जायेगी।

आईजीआईएमएस में मॉड्यूलर ओटी, लैब समेत चार सुविधाएं होंगी शुरू

- क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय आज करेंगे उद्घाटन
- 24 घंटे आंखों के लिए ओपीडी की सुविधा की शुरुआत कल होगी

पटना, प्रधान संवाददाता। आईजीआईएमएस के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान (रियो सेंटर) में आंखों के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं की शुरुआत मंगलवार से होगी। अब यहां अंधेपन, दुर्लभ नेत्र रोगों के साथ छोटे बच्चे, नवजात शिशु, वृद्धों, मानसिक रोगियों की जांच हो सकेगी।

दृष्टिहीनता की पहचान शुरुआती चरण में ही होगी। इसके लिए रियो सेंटर में इलेक्ट्रोफिजियोलाजी मशीन लगाई गई है। इसका उद्घाटन मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय करेंगे। संस्थान में मॉड्यूर ओटी, लैब का भी लोकार्पण करेंगे। रियो सेंटर में 24 घंटे की ओपीडी सुविधा की भी शुरुआत की घोषणा स्वास्थ्य मंत्री करेंगे। यह सुविधा बुधवार से ही मिलने लगेगी। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रो. बिंदे कुमार ने कहा कि मशीन को स्थापित कर लिया गया है। प्रदेश समेत पूर्वोत्तर भारत में दृष्टिहीनता के खिलाफ जिस लड़ाई के लिए क्षेत्रीय चक्षु संस्थान की स्थापना की गई है, इस सुविधा से उसको और मजबूती मिलेगी। उपनिदेशक सह क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के प्रभारी डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से रियो सेंटर देश के अत्याधुनिक नेत्र संस्थानों में से एक है। इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी एवं वाइड, फील्ड फंडस कैमरा के उद्घाटन से अब नेत्र जांच पहले से अधिक उन्नत, वैज्ञानिक व सटीक होगी।

ADMISSIONS O
Apply Before 15th

सिटी एंकर

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय 4 नई सुविधाओं का आज उद्घाटन करेंगे, 24 घंटे मिलेगी इलाज की सुविधा

आईजीआईएमएस : अब आंखों की जटिल बीमारी का होगा इलाज

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

आईजीआईएमएस के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय चार अत्याधुनिक सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें मॉड्यूलर ओटी, एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन, एक डायग्नोस्टिक लैब और माइक्रोस्कोप अल्ट्रासाउंड शामिल हैं। इससे आंखों का इलाज 24 घंटे हो सकेगा। आईजीआईएमएस के उप निदेशक और क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के हेड डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन और वाइड फील्ड फंडस कैमरा के उद्घाटन से आंखों की सटीक होगी। इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन जन्मजात नेत्र विकार, रेटिनल डिस्ट्रॉफी, ऑप्टिक न्यूरोपैथी या अज्ञात कारणों से घटती दृष्टि जैसे जटिल नेत्र रोगों के निदान में मदद करेगी। रोग की समय पर पहचान होने से उसके इलाज की योजना वैज्ञानिक आधार पर बनाई जा सकेगी। अंधेपन की समस्या को कम किया जा सकेगा। डॉ. विभूति ने बताया कि इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी आंख की बिजली संचालित गतिविधियों को मापकर उसकी वास्तविक कार्यक्षमता का सटीक आकलन करती है। यह मशीन रेटिना और ऑप्टिक नर्व की कार्यक्षमता का वैज्ञानिक परीक्षण करती है।

अत्याधुनिक मॉड्यूलर ओटी से सुरक्षित सर्जरी होगी

संस्थान प्रशासन के मुताबिक, क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर शुरू होने से जटिल सर्जरी सुरक्षित हो सकेगी। बिना किसी संक्रमण के डर से सर्जरी की जा सकेगी। इसमें एक से अधिक ऑपरेशन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगे।

आंखों की बीमारियों पर रिसर्च होगा और रिसर्च विंग बनेगा

क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में अब अनुसंधान की भी व्यवस्था की जा रही है। तुरंत जांच रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए पैथोलॉजी और शोध कार्यों के लिए रिसर्च विंग बनेगा। नवनिर्मित लैब सर्विस विंग से नेत्र रोगों की सटीक जांच होगी। वहीं, रिसर्च विंग में दुर्लभ रोगों के उपचार की नई तकनीकों को विकसित किया जाएगा। इन सुविधाओं की उपलब्धता प्रदेश और पूर्वोत्तर भारत में दृष्टिहीनता के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत करेगा। - डॉ. प्रो. बिंदे कुमार, निदेशक, आईजीआईएमएस

12 व 13 जुलाई को पटना में जुटेंगे देशभर के हड्डी रोग विशेषज्ञ

पटना | घुटने की इलिजारोव तकनीक से इलाज के लिए बिहार ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के तत्वावधान में असमी इंडिया का दो दिवसीय सम्मेलन 12 और 13 जुलाई को होगा। इसमें देश के विख्यात ऑर्थोपेडिशियन पटना पहुंचेंगे। इसकी जानकारी डॉ. शम्शुल होदा ने दी। उन्होंने बताया कि इस मिड टर्म मीट की थीम ऑल अराउंड नी है। इसका उद्देश्य युवा ऑर्थोपेडिक सर्जनों को घुटनों की जटिल सर्जरी तकनीकों एवं इलिजारोव विधि में प्रशिक्षित करना है। यह तकनीक सर्कुलर फिक्सेटर द्वारा हड्डी को खींचकर नई हड्डी के निर्माण पर आधारित है।